

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-73

दिनांक: मंगलवार, 22 सितम्बर, 2026



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.1 एवं 23.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 68 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.8 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.4 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से 10 मि० गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.0 एवं दोपहर में 37.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 17.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(23-27 सितंबर, 2026)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा० आर० पी० सी० ए० पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 23 से 27 सितंबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने एवं तेज हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान आकाश में मध्यम से घने बादल छाए रह सकते हैं। वैशाली, सारण, सीवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, सीतामढ़ी तथा पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों के कुछ स्थानों पर 24-26 सितंबर के आसपास गरज के साथ मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अन्य स्थानों पर भी अगले कुछ दिनों के दौरान हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 30-36°C तथा न्यूनतम तापमान 24-28°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 75-85% तथा दोपहर में 55-65% के आसपास रह सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी या दक्षिण-पूर्वी दिशा से 8-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- किसानों को सलाह दी जाती है कि धान में दूधिया से दाना भरने की अवस्था तक गंधी बग के प्रकोप की निगरानी करें। प्रकोप दिखाई देने पर सुबह या शाम फोलिडोल चूर्ण 10-15 किग्रा प्रति हेक्टेयर का प्रयोग मौसम साफ रहने पर करें। तराई के कुछ जिलों जैसे- मधुबनी, सीतामढ़ी तथा पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों में अधिक वर्षा होने की संभावना को देखते हुए किसान भाई सावधानी पूर्वक कृषि कार्य करें।
- मक्का अभी टेसलिंग से सिल्किंग अवस्था में है। अच्छी फसल वृद्धि एवं उत्पादन के लिए इस समय नत्रजन की अंतिम मात्रा 30 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन के रूप में दें।
- अरहर की बुआई यथाशीघ्र पूरी करें। शरद, पूसा-9 एवं राजेन्द्र अरहर-1 किस्मों की बुआई करें। ऊपरी खेतों का उपयोग अरहर की खेती के लिए किया जा सकता है। 45-50 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज दर एवं 30 × 10-15 सेमी दूरी रखें तथा 20 किग्रा नत्रजन, 45 किग्रा फास्फोरस, 20 किग्रा पोटाश एवं 20 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर दें। बुआई के 25-30 दिन बाद 10 किग्रा नत्रजन प्रति हेक्टेयर (लगभग 22 किग्रा यूरिया) का उपरिवेशन करें। जिंक की कमी वाली मिट्टी में बुआई के समय जिंक सल्फेट 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर दें।
- उड़द में पीला शिरा मोजेक रोग की नियमित निगरानी करें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है, इसलिए रोगग्रस्त एवं सफेद मक्खी से प्रभावित पौधों को तुरंत उखाड़कर खेत से बाहर नष्ट करें। इसके बाद सफेद मक्खी के प्रभावी नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली प्रति लीटर पानी या ट्रायजोफॉस 40 ईसी 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- निचले खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था रखें, क्योंकि लंबे समय तक जलभराव से गन्ने में कीट एवं रोगों का प्रकोप बढ़ सकता है। लाल सड़न या उकठा रोग के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर प्रभावित पौधों के पूरे गुच्छे को जड़ों सहित उखाड़कर खेत से बाहर निकालें। इसके बाद प्रभावित पौधों के जड़ क्षेत्र में कार्बेन्डाजिम या थायोफेनेट-मिथाइल 1 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल से ड्रैचिंग करें।
- भिंडी में फल एवं तना छेदक कीट के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। वयस्क मादा पत्तियों, फूलों की कलियों एवं कोमल फलों पर अंडे देती है। छोटी भूरे रंग की सूंडियां कोमल तनों में छेद कर मुख्य तने में नीचे की ओर सुरंग बनाती हैं, जिससे तने मुरझाकर झुक जाते हैं और बढ़वार बिंदु नष्ट हो जाते हैं। बाद में ये फलों में छेद कर अंदर से भोजन करती हैं, जिससे फल खाने योग्य नहीं रहते। नियंत्रण के लिए संक्रमित तनों एवं फलों को छिड़काव से पहले तोड़कर गहरी मिट्टी में दबा दें। इसके बाद क्विनालफॉस 25 ईसी 2 मिली प्रति लीटर पानी या डाइमिथोएट 30 ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमान: 35.5 डिग्री सेल्सियस,
जो सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 25.8 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी

